एन. शैलजा

अकादेमी पुरस्कारः कूचिपूड़ी

तमिलनाडु के चेन्नई में 22 दिसंबर 1966 को जन्मी, श्रीमती एन. शैलजा भरतनाट्यम और कूचिपूड़ी की स्थापित नृत्यांगना हैं। आपने के. जे. सरसा और वेम्पति चिन्ना सत्यम जैसे भारतीय शास्त्रीय नृत्य के दिग्गजों से नृत्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। नृत्य के प्रति आपके उत्साह और अनुराग ने आपको एक ऐसी नृत्यांगना के रूप में विकसित किया है, जिसमें न केवल कौशल की सूक्ष्मता है, बल्कि लावण्य और सुघड़ता भी। यही कारण है कि आप नृत्यांगना के रूप में अपने बहुमुखी करियर के दौरान एक समर्पित नृत्य साधक के रूप में उभरी हैं। आप एक छात्र, एक कलाकार, एक अभिनव कोरियोग्राफर, एक शिक्षक होने के साथ ही भरतनाट्यम की वजुवूर बानी और कूचिपूड़ी की वेम्पति शैली की सांस्कृतिक दूत रही हैं।

नृत्य और संगीत के प्रति आपकी जबरदस्त और व्यापक दृष्टि आपके नृत्य में झलकती है, जो इस सिद्धांत पर आधारित है कि कूचिपूड़ी एक गतिशील और विचारोत्तेजक भाषा है और जिसने इस सत्य को समझ लिया है और इसमें महारत हासिल कर ली है, आत्मसात कर लिया है, वह स्वयं नृत्य काव्य के सृजन में सक्षम हो जाता है। यह एक ऐसा नृत्य काव्य है कि जिसको शब्दों के माध्यम से दोबारा नहीं रचा जा सकता। श्रीमती एन. शैलजा की प्राथमिक रुचि कला रूपों के माध्यम से संस्कृति, परम्परा और विरासत की जीवन शक्ति को विकसित करना है। अपने इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए आपने सन् 1988 में सैल सुधा डांस एकेडमी की स्थापना की थी जो इस दिशा में निरंतर सक्रिय है। रचनात्मक कलाकार के रूप में आपकी प्रशंसा आलोचकों और पारखियों द्वारा की जाती रही है।

श्रीमती एन. शैलजा को तमिलनाडु राज्य सरकार की ओर से कलईमामणिय भारतीय विद्या भवन की ओर से लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्डय और संगीत अकादमी, चेन्नई की ओर से सर्वश्रेष्ठ नृत्यांगना जैसी उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

श्रीमती एन. शैलजा को कूचिपुडू नृत्य में योगदान के लिए वर्ष 2021 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

N. SAILAJA

Akademi Award: Kuchipudi

Born on 22 December 1966 in Chennai, Tamil Nadu, Shrimati N. Sailaja is an established dancer of Bharatanatyam and Kuchipudi. Having been trained under the doyens of Indian classical dance, K.J. Sarasa and Vempati Chinna Satyam, her incandescent passion for the art forms has not only blossomed her into an artist of finesse and grace but she has also emerged as a dedicated exponent in the arts field during her multifaceted career as a dancer. She has been a student, a performer, an innovative choreographer, a teacher and a cultural ambassador of the iconic styles of the Vazhuvoor Bani of Bharatanatyam and Vempati style of Kuchipudi.

Her tremendous and wide vision for dance and music is evident in her dance on the principle that Kuchipudi is a dynamic evocative language where the dancer who has mastered and internalized the idiom can create her own dance poetry – poetry that can never be recreated through words. Shrimati N. Sailaja's primal interest is to inculcate the vitality of culture, tradition and heritage through the art forms and she has been doing this through the establishment of Saila Sudha Dance Academy in 1988. She is widely acclaimed by critics and connoisseurs as a creative artist.

Shrimati N. Sailaja has been conferred many titles and honours like Best Dancer from Music Academy, Chennai (1999); Kalaimamani from the Tamil Nadu State Government (2009); Lifetime Achievement Award from Bharatiya Vidya Bhavan (2017); and Natya Sudhakara during Siva Nrithyanjali Festival, Coimbatore, Government of Tamil Nadu.

Shrimati N. Sailaja receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2021 for her contribution to Kuchipudi dance.